आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–17 जुलाई 2024 भोजपुरी समाचार

बुंदेलखण्ड में सुनियोजित अउर सतत विकास के लेके 36 हजार एकड़ एरिया में नया औद्योगिक सहर बसवले क कवायद जारी हौ। दुसरी ओरि बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस–वे के दुन्नू किनारा पे प्रदेस क सबसे लमहर सोलर पार्कों विकसित कइल जा रहल हौ। करीब 1700 हेक्टेयर में येह सोलर पार्क के विकसित कइल जाइ। रिपोर्ट के मोताबिक यूपीडा के लग्गे जमीन मौजूद हौ। जवन ईटावा से चित्रकूट ले 296 किलोमीटर लमहर बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस–वे के मुख्य कैरिज अउर सर्विस रोड के बिच्चे हौ। दुन्नू के बीच मौजूद जमीन क औसत चौड़ाई 15 से 20 मीटर हौ। एइजुकिये सोलर पार्क बनावल जाइ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुदे येह प्रोजेक्ट बदे उत्सुक हवे। बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस–वे के दुन्नू ओरि बने वाले सोलर पार्क से 450 किलो मेगावाट उर्जा का उत्पादन हो सकी जेह से एक लाख उपभोक्ता लोगिन क जरूरत पूरा होइ।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेस क दस विधानसभा सीटिन पर होखे वाले उपचुनाव के लेके अपने मंत्रियन के हफ्ता में दुइ दिन अपने प्रभार वाले जिला में प्रवास करे के कहले हवें। एकरे सथहीं एक विधानसभा सीट क जिम्मेवारी संबंधित जिला क प्रभारी मंत्री के अलावा एक से दू अउरियों मंत्रियन के सौंपले हवें। मुख्यमंत्री कहलीं कि प्रभारी मंत्री कार्यकर्ता लोगिन से बात करले पर फोकस करें। हर बूथ के मजबूत बनावल जाए।

****

लगातार बारिस अउर बांधन से पानी छोड़ले कै वहज से सोलह जिलन क छह लाख से बेसि आबादी क जीवन अस्त–व्यस्त हो गइल हौ। डेढ़ लाख हेक्टेयर से बेसि क खेतियों बाढ़ में डूब गइल हौ। प्रदेस क लखीमपुर, कुशीनगर, बलरामपुर, शाहजहांपुर, हरदोई, अयोध्या, बहराइच, गोरखपुर, सिद्धार्थनगर, बलिया, बदायूं, देवरिया, उन्नाव, फरूर्खाबाद, बरेली अउर बाराबंकी क कइ गांव बाढ़ से प्रभावित हवे। राहत आयुक्त कार्यालय के जनकारी के मोताबिक येह क्षेत्रन में पनरह कंपनी एनडीआरएफ, सोलह कंपनी एसडीआरएफ अउर इकतीस कंपनी पीएसी फल्ड बटालियन तैनात कइल गइल हौ। लोगिन के बाढ़ प्रभावित एरिया से निकारी के सुरक्षित जगहिं पर भेजल जा रहल हौ सथहीं राहत सामग्री बांटल जा रहल हौ।

****

देवशयनी एकादशी क परब आजु श्रद्धा अउर भक्ति के माहौल में पूरा प्रदेस में मनावल जा रहल हौ। बनारसों में परब के लेके उछाह क माहौल ह। पेश हौ हमरे प्रतिनिधि क एगो रिपोर्टः

आज देवशयनी एकादशी है। धर्म की नगरी काशी में देवशयनी एकादशी का काफी महत्व है। मान्यता के अनुसार जब भगवान विष्णु चार मास के लिए योग निद्रा में चले जाते हैं. तब इस अवधि को चातुर्मास कहा जाता है. देवशयनी एकादशी के दिन चातुर्मास प्रारंभ हो जाता है।इस दौरान चार महीने तक सनातन धर्म में मांगलिक कार्य प्रतिबंधित हो जाते हैं।इसका समापन 12 नवंबर को देवउठनी एकादशी के साथ समाप्त होगा। मान्यता के मुताबिक इस दिन श्री हरि की उपासना करने से जीवन में धन वैभव की प्राप्ति होती है। वाराणसी के गंगा घाटों पर भी लोगों ने बढ़ते जल स्तरको ध्यान में रखते हुए घाटकिनारे ही गंगा स्नान कर दान किया। मनीष सिंह आकाशवाणी समाचार वाराणसी।

****

प्रदेस भर में मोहर्रम क त्योहार आजु मनावल जा रहल हौ। हर कर्बला के बादि मोहर्रम क महीना में इमाम हुसैन के यादि करत ई तिउहार मनावल जाला। प्रदेस के सज्जों जिला में ताजिया बना के जुलूस निकारल जा रहल हौ।

राम नगरी अजोध्यो में मोहर्रम के दसवां दिन बड़ी बुआ क कर्बला में ताजिया दफन कइल जा रहल हौ। सहर क सज्जों अंजुमन जुलूस निकारि के कर्बला पहुंच रहल हइनि। जिला प्रशासन येह मौका पर सुरक्षा क पुरहर इंतजाम कइले हौ। ओहर आंबेडकरनगर, गोरखपुर, देवरिया, महाराजगंज, वाराणसी, बदायूं, फरूर्खाबाद, अमरोहा, समेत प्रदेस क सज्जों जिला में मोहर्रम का पर्व मनावल जा रहल हौ।

****

बनारस के अहिल्याबाई घाट पे आजु भिन्नहीं गंगा में नहाए आइल दुई नवयुवकन क डूबे से मउति हो गइल जबकि उनकरे साथ आइल दू नवयुवकन के बेहोस हालति में नदी से बाहर निकारल गइल। चारों नवयुवक नहइले के समय नदी के तेज धारा में बहे लगले। बड़ी मसक्कत के बादि दुइ लइकन के बेहोसी हालति में नदी से निकारल गइल वहीं एक घंटा तलास के बादि दुसरकों दुन्नू नवयुवकन क सव बरामद कइल गइल।

****